पर्यावरण

यूटीयू में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपे गए पौधे, अन्य जगह भी हुए पौधरोपण

पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए करें पौधरोपण : प्रो. ओंकार सिंह

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) ने परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान 70 से अधिक कर्मचारियों ने अशोका व पाम सहित विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की गई एक पेड़ मां के नाम की अनूठी पहल की सराहना की। कहा कि यह अभियान पर्यावरणीय सुरक्षा और समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं छात्रों को पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए अभियान में संकल्प के साथ भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र सिंह, वित्त नियंत्रक विक्रम सिंह जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनय कुमार पटेल, डॉ. मनोज कुमार पांडा, डॉ. विशाल रामोला आदि मौजूद रहे।

पौधरोपण करते प्रो. ओंकार सिंह। स्रोत विवि

जनसहभागिता से लगाएं दस लाख पौधे : डीएम

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने वन, नगर निगम, एमडीडीए, सिंचाई, कृषि, उद्यान, लोनिवि आदि विभागों के अधिकारियों को जनसहभागिता के साथ पौधरोपण करने के निर्देश दिए। कहा कि पौधरोपण वाले स्थानों की सूची उपलब्ध कराएं। पौधों की जियो टैगिंग कराई जाए। हरेला पर्व के दिन जनप्रतिनिधि, ग्राम स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल करें। कहा कि दून में 10.50 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें वन विभाग 6.80 लाख, उद्यान एवं कृषि विभाग एक लाख, ग्राम्य विकास विभाग एक लाख, एमडीडीए 80 हजार, शहरी विकास 40 हजार, पंचायतीराज विभाग 21 हजार, लोनिवि 10 हजार, सिंचाई 7 हजार, उद्योग विभाग 7 हजार, लीड बैंक 2 हजार पौधे रोपित करेगा। मा.सि.रि.

हरियाली का संकल्प लिया

देहरादून। भाजपा महानगर मेहूवाला ऋषि विहार के हरवंश वाला क्षेत्र में पौधरोपण किया गया। लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। हरिद्वार के सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि पेड़-पौधे धरती मां का श्रृंगार है। संवाद

बड़े स्तर हो पौधरोपण

देहरादून। हिम फाउंडेशन ने हरेला पर्व पर छुट्टी के बदले बड़े स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की मांग की गई है। ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर सकें। संवाद